Hindi Murli Quiz 22-09-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **वरदानी आत्माओं के लक्षण क्या हैं ? (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

- **A.** ☐ जिन्होंने सर्व खजानों से स्वयं को सम्पन्न नहीं किया है, लेकिन थोड़ा बहुत यथा शक्ति जमा किया है I
- **B.** ☐ अपने शक्तियों के सहयोग द्वारा कमज़ोर को शक्तिशाली बना देते हैं |
- **C.** ☐ जो स्वयं के जमा किए हुए खजानों द्वारा, निर्बल आत्माओं को वरदान देकर श्रेष्ठ बनाते हैं I
- **D.** ☐ जिन्होंने स्वयं को सर्व खजानों से सम्पन्न किया है
- **E.** ☐ अपने शक्तियों का सहयोग नही दे पाते लेकिन स्मृति दिलाते हुए, समर्थी में लाने के निमित्त बनते हैं I

Q.2) **आज की मुरली के अनुसार, जिसकी बुद्धि जितनी दिव्य है, विश्व परिक्रमा के लिए उसकी स्पीड उतनी ही तेज़ होगी I जिसके कारण बच्चे -----(उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

- **A.** ☐ सर्व को सन्तुष्ट अर्थात् सर्व प्राप्ति कराने का संस्कार भर सकेंगे I
- **B.** ☐ एक सेकेण्ड में और स्पष्ट रूप में विश्व का चक्कर लगा सकेंगे I
- **C.** ☐ अन्त में उड़ते हुए फ़रिश्ते बनकर बाप साक्षात्कार अर्थ निमित्त बनेंगे I
- **D.** ☐ तब ही साईन्स वाले भी इस विचित्र लीला को जानने और देखने का लिए समीप आयेंगे I
- **E.** ☐ तब ही विश्व महाराजन बनेंगे I

Q.3) **दानी बच्चे, जो सुना, जो अच्छा लगा, जो अनुभव किया, वह वर्णन द्वारा आत्माओं को बाप तरफ आकर्षण करने के निमित्त बनते हैं, लेकिन मार्ग-दर्शन कराने वाले वा अपने शक्तियों के सहयोग द्वारा किसी को श्रेष्ठ बनाने वाले नहीं बन सकते |**

- **A.** ○ True
- **B.** ○ False

Q.4) **इन्हें मिलाइये ---**

	Choice		Match
A	मैं बाप समान सर्व शक्तियों का अधिकारी मास्टर सर्वशक्तिमान् हूँ-- इस स्मृति को बार-बार रिवाइज और रियलाइज़ करो,	**1**	तो सदा मास्टर सर्वशक्तिमान् अनुभव करेंगे, विघ्न-मुक्त हो जायेंगे|
B	मंजिल को पाना ही है, इस 'एक बल एक भरोसे' के आधार पर अवश्य पहुँचेंगे, गैरन्टी है,	**2**	फिर घर बैठे सब भागते हुए, ढूंढते हुए आयेंगे	
C	किसी के संस्कार, स्वभाव को न देखो,	**3**	अपने अनादि संस्कार-स्वभाव वा बाप के स्वभाव -संस्कार को देखो	
D	ब्राह्मणों का कभी भी अकल्याण हो नहीं सकता क्योंकि कल्याणकारी बाप का हाथ पकड़ा है,	**4**	दृढ़ संकल्प बच्चों का और पहुँचाना बाप का काम	
E	सर्व खजानों को जमा करते जाओ, खाली नहीं होने दो,	**5**	क्योंकि जिस रूप में कमी होगी उसी रूप में चतुर माया आयेगी I	
F	अभी सम्पूर्ण मूर्त बन सेवा में समय और शक्तियां लगाओ,	**6**	अकल्याण को भी वह कल्याण में परिवर्तन कर देगा इसलिए सदा निश्चिन्त रहो	

Q.5) **वर्तमान समय कौन सा कोर्से चल रहा है, जिससे अब तक जो कमी रह गई है, उससे स्वयं को लिबरेट कर सकेंगे ?**

- **A.** ○ एडवांस कोर्से
- **B.** ○ रियलाइजेशन कोर्से
- **C.** ○ रिवाइज्ड कोर्से
- **D.** ○ प्राइमरी कोर्से ,

Q.6) **लौकिक व अलौकिक दोनों ही रीति से आरम्भ (बचपन) का जीवन स्वयं को परिपक्व करने का होता है और बाद में दूसरों के प्रति जिम्मेवारी का समय होता है |**

- **A.** ○ गलत
- ○ सही

B.

Q.7) **महादानी बच्चों के लक्षण क्या हैं ? (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. ☐ अपने शक्तियों के सहयोग द्वारा कमज़ोर को शक्तिशाली बना देते हैं |
B. ☐ पुरुषार्थ कराने की या उमंग में लाने की युक्तियां बताकर, कमज़ोर आत्माओं द्वारा पुरुषार्थ कराने के निमित्त बनते हैं I
C. ☐ ऐसे करो, ऐसे चलो, इस तरह मार्ग दर्शन कराने के निमित्त बनते हैं |
D. ☐ जिन्होंने सर्व खजानों से स्वयं को सम्पन्न नहीं किया है, लेकिन थोड़ा बहुत यथा शक्ति जमा किया है I
E. ☐ जिन्होंने स्वयं को सर्व खजानों से सम्पन्न किया है,
F. ☐ अपने शक्तियों का सहयोग नहीं दे पाते लेकिन स्मृति दिलाते हुए, समर्थी में लाने के निमित्त बनते हैं I

Q.8) **आज के वरदान के अनुसार, शमा (बाप) पर फ़िदा होने वाले सच्चे परवानों (बच्चों) की क्या निशानियाँ हैं ? (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. ☐ वह शमा के समान बन जाते हैं I
B. ☐ वह बच्चे याद और सेवा में सदा बिजी रहते हैं I
C. ☐ वह सभी व्यर्थ के चक्करों (कभी सम्बन्धों का चक्कर, अपने स्वभाव- संस्कार का चक्कर आदि) से मुक्त रहते हैं |
D. ☐ वह कभी कभी ही संशय बुद्धि बनते हैं I
E. ☐ उनकी बुद्धि में सिवाए शमा के और कुछ भी नहीं रहता I

Q.9) **आजकल के वातावरण में हर आत्मा किसी न किसी बात के बंधन वश है,जिससे वह अपने को लिबरेट करना चाहती हैं I नीचे सही उत्तर टिक करिये -- (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. ☐ , कोई इच्छाओं के वशीभूत,
B. ☐ कोई अपने श्रेष्ठ संस्कारों के वशीभूत,
C. ☐ कोई तन के दुःख के वशीभूत,
D. ☐ कोई प्रभु-प्राप्ति न मिलने के अशान्ति में भटकने के दुःख के वशीभूत,
E. ☐ कोई सम्बन्ध के वशीभूत,
F. ☐ कोई अपने दुःखदाई संस्कार और दुःखदाई स्वभाव के दुःख के वशीभूत,

Q.10) **इन्हें मिलाएं –**

	Choice		Match
A	विश्व की सर्व आत्माएं आपका परिवार हैं,	1	स्वयं कल्याणकारी नहीं, लेकिन साथ-साथ विश्व-कल्याणकारी बनो	
B	रहम दिल बनो, मास्टर रचता बनो,	2	इस अधिकारी स्वरूप में स्थित होंगे तो अधीनता ऑटोमेटिकली निकल जायेगी	
C	जैसे सूर्य एक स्थान पर होते हुए भी चारों ओर का अन्धकार दूर करता है,	3	ऐसे मास्टर ज्ञान-सूर्य बन दुःखी आत्माओं पर रहम करो	
D	विश्व के मालिक के बालक हो,	4	मालिक बन विश्व-परिक्रमा लगाओ	
E	अभी बचपन के अलबेलेपन को छोड़ो,	5	क्योंकि तुम बेहद के बाप के बच्चे हो I	
F	सिर्फ एक दृढ संकल्प रखो कि मैं बाप का और बाप मेरा है ,	6	समय, शक्तियों को सेवा में सफल करो	